RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.c swarajindi- swarajindi-

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

सांध्यकालीन समाचार पत्र

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

कानपुर,गुरूवार , 11 सितंबर 2025
वर्षः 02, अंकः 239, पृष्ठः 8+4

बिल्हौर के देवांश सितारों की दुनियां में 'स्टार' बनकर चमके » Pg10

इनसाइड यह हैं नगर निगम कानपुर के 'स्वच्छता नायक' » Pg 3

झांसी सीपरी बाजार के इंस्पेक्टर पर मंत्री बेबी रानी मौर्य ने लगाए गंभीर आरोप

» यूपी के प्रमुख सचिव व डीजीपी से की शिकायत

» मंत्री ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी उनके प्रति व्यक्तिगत रंजिश रखते हैं और सार्वजनिक मंचों पर अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं

» कुछ दिन पहले राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी धरना देकर की थी अकबरपुर इंस्पेक्टर हटाने की शिक़ायत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री बेबी रानी मौर्य ने झांसी जिले के सीपरी बाजार थाना प्रभारी आनंद सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रमुख सचिव गृह और डीजीपी यूपी को पत्र लिखा है। मंत्री ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी उनके प्रति

बेबी रानी मौर्य
मंत्री
महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार
उत्तर प्रदेश

कक्ष संख्या–91/91 ए, मुख्य भवन
उ0प्र0 सचिवालय
दूरभाष संख्या– 0522–2238074 (का)
0522–2235446 (आ)
ईमेल : officeministerwcdup@gmail.com

दिनांक ....

पत्रांक 243 /मी०आई०पी/म०
म० क० ब० वि० सै० पु०/2025
दिनांक 10/09/25

1. प्रमुख सचिव, गृह विभाग, उ0प्र0 शासन।
2. पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0।

श्री राजीव सिंह "परीछा" मा0 विधायक के संलग्न पत्र दिनांक 10.09.2025 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अवगत कराया गया है कि जनपद झाँसी के थाना सीपरी बाजार में तैनात थाना प्रभारी श्री आनन्द सिंह के विरूद्ध निम्नलिखित तथ्यों को उल्लेख करते हुए कार्यवाही किये जाने का उल्लेख किया गया है।

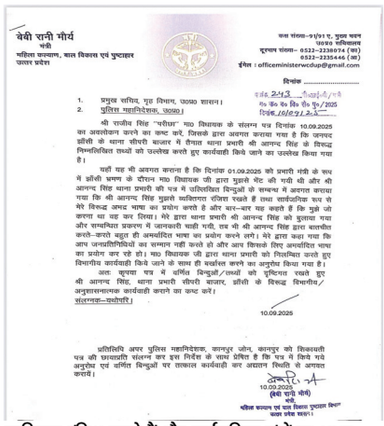

यहाँ यह भी अवगत कराना है कि दिनांक 01.09.2025 को प्रभारी मंत्री के रूप में झाँसी भ्रमण के दौरान मा0 विधायक जी द्वारा मुझसे भेंट की गयी थी और श्री आनन्द सिंह थाना प्रभारी की पत्र में उल्लिखित बिन्दुओं के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि श्री आनन्द सिंह मुझसे व्यक्तिगत रंजिश रखते हैं तथा सार्वजनिक रूप से मेरे विरूद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करते है और बार–बार यह कहते हैं कि मुझे जो करना था वह कर लिया। मेरे द्वारा थाना प्रभारी श्री आनन्द सिंह को बुलाया गया और सम्बन्धित प्रकरण में जानकारी चाही गयी, तब भी श्री आनन्द सिंह द्वारा बातचीत करते–करते बहुत ही अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने लगे। मेरे द्वारा कहा गया कि आप जनप्रतिनिधियों का सम्मान नहीं करते हो और आप किसके लिए अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हो। मा0 विधायक जी द्वारा थाना प्रभारी को निलम्बित करते हुए विभागीय कार्यवाही किये जाने के साथ ही बर्खास्त करने का अनुरोध किया गया है।

अतः कृपया पत्र में वर्णित बिन्दुओं/तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए श्री आनन्द सिंह, थाना प्रभारी सीपरी बाजार, झाँसी के विरूद्ध विभागीय/अनुशासनात्मक कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोपरि।

10.09.2025

प्रतिलिपि अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर को शिकायती पत्र की छायाप्रति संलग्न कर इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि पत्र में किये गये अनुरोध एवं वर्णित बिन्दुओं पर तत्काल कार्यवाही कर अद्यतन स्थिति से अगवत करायें।

10.09.2025
(बेबी रानी मौर्य)
मंत्री,
महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग
उत्तर प्रदेश शासन।

व्यक्तिगत रंजिश रखते हैं और सार्वजनिक मंचों पर अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।मंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि झांसी के विधायक राजीव सिंह परीछा ने 10 सितंबर को उन्हें पत्र भेजकर थाना प्रभारी आनंद सिंह के आचरण के बारे में अवगत कराया था।

विधायक ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी मंत्री के खिलाफ लगातार असम्मानजनक रवैया अपनाते हैं और बार-बार अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। विधायक के अनुसार थाना प्रभारी ने यहां तक कहा कि मुझे जो करना था वह कर लिया है।

बेबी रानी मौर्य ने पत्र में बताया कि 1 सितंबर को झांसी भ्रमण के दौरान विधायक राजीव सिंह परीछा ने उनसे मुलाकात कर पूरे प्रकरण से अवगत कराया था।

इस पर मंत्री ने खुद थाना प्रभारी आनंद सिंह को बुलाकर बातचीत करनी चाही, लेकिन उस दौरान भी थाना प्रभारी ने अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। मंत्री के अनुसार जब उन्होंने पूछा कि यह भाषा किसके लिए प्रयोग हो रही है और जनप्रतिनिधियों के प्रति यह रवैया क्यों अपनाया जा रहा है, तो थाना प्रभारी का

एसपी ग्रामीण करेंगे आरोपों की जांच

उक्त प्रकरण के संदर्भ में अवगत कराया गया है कि पुलिस महानिरीक्षक झांसी के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक ग्रामीण झांसी द्वारा प्रारम्भिक जांच की कार्यवाही प्रचलित है अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही भी संपादित की जा रही है !

व्यवहार और भी असम्मानजनक हो गया।इस पूरे प्रकरण को लेकर विधायक राजीव सिंह परीछा ने अपने पत्र में थाना प्रभारी आनंद सिंह को तत्काल निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू करने और साथ ही उनके खिलाफ बर्खास्तगी तक की कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

मंत्री बेबी रानी मौर्य ने भी विधायक के पत्र का हवाला देते हुए प्रमुख सचिव गृह और डीजीपी से मांग की है कि सीपरी बाजार थाना प्रभारी आनंद सिंह के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही अकबरपुर रनिया विधायक व राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी एक इंस्पेक्टर के खिलाफ धरना देकर कार्रवाई की मांग की थी। ऐसे में लगातार जनप्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों के बीच टकराव की घटनाएं सामने आना, कानून-व्यवस्था और पुलिस-प्रशासनिक समन्वय पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

कानपुर लॉयर्स एसोसिएशन अध्यक्ष पद पर सियासी दांवपेंच

» अध्यक्ष की कुर्सी पर रोक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष को जिम्मेदारी,डिप्टी रजिस्ट्रार ने लगाई रोक

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर नगर की प्रतिष्ठित लॉयर्स एसोसिएशन का चुनाव एक बार फिर विवादों के भंवरजाल में फंस गया है। जिस चुनाव को अधिवक्ताओं की प्रतिष्ठा और संगठन की एकता का प्रतीक माना जाता है, अब वही अंदरूनी खींचतान और कानूनी पेचोखम में उलझकर अखाड़ा बनता दिख रहा है।अध्यक्ष पद पर निर्वाचित राकेश श्रीनाथ की शक्तियों पर डिप्टी रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स, कानपुर मंडल ने बड़ा कदम उठाते हुए रोक लगा दी है। आदेश में कहा गया है कि अगली सुनवाई तक एसोसिएशन का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष के हाथों में रहेगा।

प्रेषक,
डिप्टी रजिस्ट्रार,
फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स,
कानपुर मण्डल, कानपुर
सेवा में,
विहित प्राधिकारी/उपजिलाधिकारी सदर
कानपुर नगर

संख्या : /आई–639 / कानपुरःदिनांकः 2025

विषयः–संस्था द लायर्स एसोसिएशन, कानपुर के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक संस्था सोसा0रजि0अधि0–1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। संस्था की निर्वाचन कार्यवाही दिनांक 20.08.2025 में अध्यक्ष पद पर निर्वाचन को लेकर श्री राकेश सचान एडवोकेट/प्रार्थी द्वारा कार्यालय में अपना वाद पत्र दिनांक 21.08.2025 प्रस्तुत किया गया। जिसमें उनके द्वारा यह कहा गया कि प्रार्थी ने संस्था के निर्वाचन में अध्यक्ष पद हेतु चुनाव लड़ा था। जिसका निर्वाचन दिनांक 19.08.2025 को हुआ था व निर्वाचन परिणाम की घोषणा दिनांक 20.08.2025 को की गई थी। प्रार्थी लगभग 15 मतों के छोटे अन्तर से निर्वाचन में निर्वाचित नहीं दर्शाया गया है। अनाधिकृत रूप से लगभग 48 मतों को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा अवैध घोषित किया गया है। जिससे की निर्वाचन परिणाम प्रभावित हो गया है। कई ऐसे व्यक्तियों को जो कि संस्था के वैध सदस्य नही है, को भी मतदान में प्रतिभाग कराया गया है। प्राप्त शिकायतों के क्रम में कार्यालय नोटिस संख्या–1577 दिनांक 25.08.2025 के माध्यम से चेयरमैन एल्डर्स कमेटी व चुनाव अधिकारी द लायर्स एसोसिएशन कानपुर से आख्या माँगी गई। जिसके क्रम में उनकी आख्या दिनांक 30.08.2025 कार्यालय में प्राप्त है। जिसमें मुख्य रूप से यह कहा गया है कि बायलॉज की धारा–55 के अनुसार विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस चुनाव में कुल 74 प्रत्याशियों ने भाग लिया, जिसमें 20 पदों के प्रत्याशी अध्यक्ष पद के सहित निर्वाचित हुये एवं शेष 54 प्रत्याशी निर्वाचित नहीं हो सके। जिनमें से 53 प्रत्याशियों द्वारा दौरान मतगणना किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति एल्डर्स कमेटी के समक्ष दौरान मतगणना अथवा उसके उपरान्त भी दर्ज नहीं करायी गई। मात्र शिकायतकर्ता अध्यक्ष पद के प्रत्याशी श्री राकेश सचान, एडवोकेट द्वारा ही चुनाव परिणाम घोषित होने के उपरान्त प्रार्थना पत्र लिया गया है आदि।

उभय पक्षों के दावों के अवलोकन से यह स्पष्ट विदित है कि संस्था में अध्यक्ष पद के निर्वाचन को लेकर Bonafide विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जिसे सुनवाई कर निस्तारण किये जाने की शक्तियाँ सोसा0रजि0अधि0–1860 की धारा–25(1) के अंतर्गत आपमें निहित है।

अतः अध्यक्ष पद पर निर्वाचन को लेकर विवाद को आपको इस आशय के साथ संदर्भित किया जा रहा है कि कृपया सम्बन्धित पक्षों को सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए अपना आदेश पारित किये जाने का कष्ट करें तथा आदेश की एक प्रति अधोहस्ताक्षरी को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित करें। विहित प्राधिकारी के अन्तिम निर्णय तक संस्था के अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वाहन वरिष्ठ उपाध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

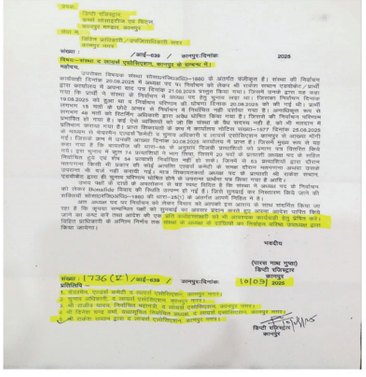

भवदीय

(पारस नाथ गुप्ता)
डिप्टी रजिस्ट्रार
कानपुर

संख्या : 1736 (V) /आई–639 / कानपुरःदिनांकः 10/09/ 2025

प्रतिलिपि –
1. चेयरमैन, एल्डर्स कमेटी द लायर्स एसोसिएशन, कानपुर नगर।
2. चुनाव अधिकारी, द लायर्स एसोसिएशन, कानपुर नगर।
3. श्री राजीव यादव, निर्वाचित महामंत्री, द लायर्स एसोसिएशन, कानपुर नगर।
4. श्री दिनेश चन्द्र वर्मा, यथासूचित निर्वाचित अध्यक्ष, द लायर्स एसोसिएशन, कानपुर नगर।
5. श्री राकेश सचान द्वारा द लायर्स एसोसिएशन, कानपुर नगर।

डिप्टी रजिस्ट्रार
कानपुर

यह निर्णय न सिर्फ चुनावी प्रक्रिया पर बल्कि एसोसिएशन की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

आरोप हैं कि आपत्ति की गई अनसुनी, शपथग्रहण में जल्दबाजी

चुनाव परिणाम 21 अगस्त को घोषित हुए थे। हारने वाले प्रत्याशी राकेश सचान ने मतपत्रों की पुनर्गणना की मांग की थी, लेकिन एल्डर कमेटी ने सुनवाई किए बिना विजयी प्रत्याशियों को प्रमाणपत्र थमा दिया और उसी दिन शपथग्रहण भी करा दिया। आपत्ति लंबित रहने के बावजूद अपनाई गई इस जल्दबाजी ने चुनावी पारदर्शिता पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं।

एसडीएम की कोर्ट बनेगी अगला रणक्षेत्र

डिप्टी रजिस्ट्रार ने अब पूरा मामला एसडीएम सदर को भेजते हुए सुनवाई तय करने के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर, हारने वाले प्रत्याशी राकेश सचान पहले ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं। ऐसे में कानूनी लड़ाई का अगला दौर अब एसडीएम की अदालत से शुरू होगा।

बार चुनावों में पहले भी कई बार धांधली, गुटबाज़ी और शक्ति प्रदर्शन के आरोप लगते रहे हैं। लेकिन इस बार का विवाद और गहराता जा रहा है।

जानकारों का मानना है कि यह महज़ अध्यक्ष पद की कुर्सी का मामला नहीं, बल्कि कानपुर की वकालत की राजनीति में वर्चस्व स्थापित करने की लड़ाई है। बार के भीतर यह संघर्ष अधिवक्ताओं की एकजुटता को कमजोर करता है और संगठन को बार-बार न्यायालयों के दरवाज़े पर ला खड़ा करता है।

फिल्मी अंदाज में फंसा शादी में ठगी का गिरोह, लुटेरी दुल्हन फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कानपुर के बिल्हौर में शादी के नाम पर ठगी करने वाले शातिर गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। सुहागरात के तीसरे दिन पति के नाजुक अंग पर वार कर जेवर और नकदी लेकर फरार हुई लुटेरी दुल्हन असल में बार डांसर निकली। पुलिस ने दुल्हन के कथित मां-बाप, बहन और बिचौलिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि मुख्य आरोपी दुल्हन अब भी फरार है।

बिल्हौर पुलिस ने कथित माँ-बाप, बहन और दलाल को किया गिरफ्तार

फरार लुटेरी दुल्हन

पुलिस की गिरफ्त मे लुटेरे

पुलिस सूत्रों के अनुसार इस गिरोह को पकड़ने के लिए पुलिस को उसी की चाल में चलना पड़ा। सूत्र बताते हैं कि बिल्हौर पुलिस ने नकली रिश्ता कराने का झांसा दिया और जैसे ही गिरोह के सदस्य जाल में फंसे, उन्हें दबोच लिया गया।

यह पूरी घटना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। जानकारी के अनुसार कस्बे के महाराणा प्रताप निवासी महेश गुप्ता अपने बेटे रमन की शादी के लिए परेशान थे। इसी दौरान बिचौलिया दिनेश ने उनसे संपर्क किया और शादी कराने के लिए 1.10 लाख रुपए की मांग की। दिनेश अपने साथ दो महिलाओं को लेकर महेश के घर पहुंचे। इनमें से एक महिला दुल्हन की कथित बहन सोनी और दूसरी महिला दुल्हन की कथित मां बताई गई। 26 अगस्त को दुल्हन सोनल को महेश के घर लाया गया और 27 अगस्त को शादी संपन्न कर दी गई।

इसके बाद बिचौलियों को राशि अदा कर दी गई।

लेकिन 30 अगस्त की रात दुल्हन ने परिवार को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया और घर से एक लाख रुपए नकद और तीन लाख रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गई।

पुलिस ने मामले की तफ्तीश तेज कर दी और कानपुर अलीगढ़ हाईवे के नानामऊ तिराहे से गिरोह के चार सदस्यों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में दुल्हन के कथित पिता महेंद्र नाथ निवासी , बहन सोनी उर्फ निशा सोनकर, मां राधिका उर्फ राधा सभी जनपद मऊ निवासी और बिचौलिया छोटेलाल उर्फ दिनेश जनपद कन्नौज का रहने वाला शामिल हैं। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे अलग-अलग परिवारों से आते हैं और यह गिरोह शादी के बहाने भोले-भाले लोगों को फंसाकर लूटने का काम करता है।पुलिस क़ो यह भी जानकारी हाथ लगी है।

पकड़े गए आरोपियों के पास से मिले फर्जी आधार

आरोपियों के पास से तीन एंड्राइड मोबाइल, 12,500 रुपये नकद और चार फर्जी आधार कार्ड बरामद हुए। पुलिस दुल्हन की तलाश में लगातार अभियान चला रही है। इसके अलावा, पुलिस ने लोगों को चेताया है कि शादी के मामलों में हमेशा सतर्क रहें और अजनबियों पर भरोसा करने से बचें। बिल्हौर पुलिस के फिल्मी अंदाज और जालसाजी से पकड़े गए इस गिरोह की कहानी अब कस्बे में चर्चा का विषय बनी हुई है।

आईपीएस सुमित रामटेके ने रक्तदान कर जनता से जोड़ा भरोसे का रिश्ता

» **रक्तदान से दिल,सखी से सुकून- यही है रामटेके का अंदाज़**

» **जीएनआर फाउंडेशन के शिविर में उमड़ा उत्साह, लोगों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान**

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। अपराध नियंत्रण और जनता से सीधे जुड़ाव के लिए चर्चित रहे आईपीएस अफ़सर सुमित रामटेके एक बार फिर बिल्हौर में लौट आए हैं। मौजूदा एसीपी अमर नाथ यादव के अवकाश पर जाने के बाद कमिश्नरेट ने उन्हें एक सप्ताह के लिए बिल्हौर सर्किल की जिम्मेदारी सौंपी है। श्री रामटेके इससे पहले क़रीब आठ महीने तक एसीपी बिल्हौर पद पर तैनात रह चुके हैं।

उस दौरान उन्होंने अपराध पर सख़्त कार्रवाई कर नकेल कसी और जनता का विश्वास जीतकर एक मिसाल कायम की थी। यही वजह है कि कस्बे में उनकी वापसी से लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल है।इसी क्रम में बुधवार को किदवई नगर मोहल्ले में ग़रीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में बार एसोसिएशन के महामंत्री महेंद्र सिंह कुशवाहा ने उन्हें मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया। कार्यक्रम में पहुँचे आईपीएस सुमित रामटेके ने न सिर्फ शिरकत की, बल्कि स्वयं रक्तदान कर समाज सेवा

का बेहतरीन उदाहरण भी पेश किया। उनका कहना था रक्तदान सबसे बड़ा दान है। इससे इंसानियत को बल मिलता है और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। हाज़ी एज़ाज़ हसन ने बुके देकर मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज समेत कई पुलिस कर्मी भी मौजूद रहे। वहीं स्थानीय लोगों का मानना है कि जिस तरह वे पहले जनता से सीधे जुड़े रहते थे, उसी अंदाज़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सुमित रामटेके सिर्फ सख़्त अफ़सर ही नहीं, बल्कि संवेदनशील इंसान भी हैं। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन शादाब खान, समाजसेवी गुफरान कुरैशी, आसिफ, अबुजर खान, कारी फैज़ आलम समेत दर्जनों लोगों ने भी रक्तदान किया। कार्यक्रम में अधिवक्ता विनय कुमार गौतम, हाजी मुफ्ती यासिर अराफ़ात सहित कई लोग मौजूद रहे।

यह हैं नगर निगम कानपुर के 'स्वच्छता नायक'

» स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 की केंद्रीय रिपोर्ट में कानपुर शहर को ऐतिहासिक उपलब्धि

» एयर क्वालिटी इंडेक्स में देश में पांचवा स्थान मिला

» निगम के वर्तमान और तत्कालीन अधिकारियों की मेहनत का दिखा बडा असर

» अनूप अवस्थी, स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्वच्छता से मुक्ति दिलाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी। इस मिशन के तहत शहरी निकायों में विभिन्न स्तरीय स्वच्छता पर महाभियान चलाए गए। शहरों में हुए सुधारों की अलग-अलग रैंकिंग शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी की जा रही है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में स्वच्छ की रैंकिंग में कानपुर शहर ने ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। कानपुर महानगर स्वच्छ हवा के मामले में देश में पांचवे और यूपी में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है।

वर्ष 2020-21 में स्वच्छ सर्वेक्षण की शुरूआत हुई थी तो उस समय नगर निगम कानपुर में आयुक्त अक्षय त्रिपाठी थे। उनके कार्यकाल में भारत सरकार के दिशा निर्देशों पर गंभीरता से काम शुरू किया गया। इसके बाद उनका तबादला होने पर शिव शरन्नपा जीएन की तैनाती हुई।

कार्यो की तेजी और प्राथमिकता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि शासन ने मियावकी पद्धति से वृक्षारोपण का लक्ष्य वर्ष 2026 तक पूरा करने का दिया गया लेकिन नगर निगम के तत्कालीन उद्यान अद्दीक्षक डा0 विजय कुमार सिंह के बेहरीन समन्वय और त्वरित कार्यशैली से यह अचीवमेंट 2024 में ही पूरा कर लिया गया।

मियावकी वनों के विकास में तत्कालीन डीएफओ अरविंद यादव जो कि वर्तमान में प्रयागराज में तैनात हैं उन्होने भी अच्छा तकनीकी सहयोग नगर निगम को दिया था। वर्तमान नगर आयुक्त सुधीर कुमार के नेतृत्व में और तेज और प्रभावी ढंग से काम चल रहा है। इसी तरह से कूडा उठान और कूडा अडडों को आधुनिक ढंग से विकसित कराने की दिशा में स्वच्छ भारत मिशन एसबीएम के नोडल अफसर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. अमित सिंह गौर की टीम ने अहम भूमिका निभाई। गार्वेज बर्वनेवल प्वाइंट जीवीपी अभियान में कूडा फेंकने वाले ऐसे 2301 स्थलों को खत्म किया गया जो कि कूडडे के अडडे बने हुए थे। इसके साथ ही शहर भर में 84 आधुनिक कूडा ट्रांसफर स्टेशन बनाए गए। 6 स्मार्ट सिटी से बाकी नगर निगम ने बनवाए गए। इससे वर्ष 2024 में कानपुर को गार्बेज फ्री सिटी में 5 स्टार एवं वाटर प्लस का प्रमाण पत्र मिला। डा. अमित गौर ने बताया कि 15 और आधुनिक कूडा ट्रांसफर प्रस्तावित हैं, जल्द ही इनमें काम शुरू किया जाएगा।

प्रोजेक्ट सेल की भूमिका रही सराहनीय

पनकी भौसिंह में लगे कूडा प्लांट में डंप निस्तारण में बेहतर कार्य किया गया। इस प्रोजेक्ट में अधिशाषी अभियंता आरके सिंह ने कुशल प्रबंधन के साथ कार्य किया। आरके सिंह के समय स्पिंकल वाहनों से सडकों पर जल छिडकाव कार्य भी महत्वपूर्ण रहा। इसके बाद प्रोजेक्ट सेल की कमान अधिशाषी अभियंता दिवाकर भाष्कर को दी गई। उन्होने इसको पूरी तन्यमता के साथ आगे बढाया और आज भी कार्य कर रहें हैं। बकौल भाष्कर, सॉलिड वेस्ट प्लांट में वर्तमान समय में 1454 एमटी कूडा पहुंच रहा है। इसमें 14 सौ एमटी का निस्तारण करते हुए पेवर ब्लाक, बेंचस और कर्व स्टोंस और कंपोस्ट बनाया जा रहा है। प्लास्टिक रिसाइकिल बनाया जा रहा है। मृत जानवरों के निस्तारण के लिए करीब 5 करोड रूपए से प्लांट लगाया गया है। करीब 3 हजार मृत जानवरों का डिस्पोज किया गया।

नगर निगम कानपुर ने शहरी संरचना एवं जनजीवन के विकास के लिए अहम कार्य किया है। भारत सरकार द्वारा स्वच्छ हवा के क्षेत्र में दी गई रैंकिंग से नगर निगम कानपुर ने दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनउ जैसे शहरों को पीछे करते हुए बडी उपलब्धि हासिल की है। अभी और सुधार होगा, उसपर कार्य किया जा रहा है।

सुधीर कुमार, नगर आयुक्त

-कानपुर के लिए यह बहुतत ही गर्व की बात है, शहर में स्वच्छता के उच्च मानदंड स्थापित हो रहे हैं। शहरवासियों के सहयोग से हम शहर को और सुंदर और स्वच्छ बनाएंगे। नगर निगम अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ शहरवासियों को भी बधाई।

प्रमिला पांडेय, मेयर कानपुर।

''डॉ विजय कुमार सिंह (तत्कालीन उद्यान अधीक्षक, वर्तमान में वाराणसी में तैनात)''

''दिवाकर भास्कर, अधिशासी अभियंता प्रोजेक्ट सेल''

''डॉ अमित सिंह गौर, नोडल अफसर स्वच्छ भारत मिशन नगर निगम कानपुर''

धूल पर पानी का छिड़काव करती नगर निगम की मशीन

भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करें 'खाद्य कारोबारी': डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह

» होटल-रेस्टोरेंट कारोबारियों के लिए फूड सेफ्टी विभाग की कार्यशाला

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। खाद्य कारोबार केवल व्यापार नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। आप जो व्यंजन परोसते हैं, वह सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा होता है। इसलिए गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना आपका प्रथम कर्तव्य है। कानपुर होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के तत्वावधान में मर्चेंट चेंबर सभागार में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रमुख अतिथि डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि लाभ कमाना स्वाभाविक है, लेकिन अधिक मुनाफे की लालसा में लापरवाही अस्वीकार्य है। स्वच्छ किचन, स्वस्थ कर्मचारी और जिम्मेदाराना व्यवहार ही आपके व्यवसाय की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

जब उपभोक्ता विश्वास के साथ आपके प्रतिष्ठान से भोजन ग्रहण करेगा, तभी आपका सम्मान और कारोबार दोनों लगातार बढ़ेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एचबीटीयू के कुलपति प्रो. शमशेर, सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह, एसोसिएशन पदाधिकारी उपस्थित रहे।सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर कारोबारी को अपने प्रतिष्ठान में साफ-सफाई, लेबलिंग, भंडारण और प्रसंस्करण की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान देना होगा।

विशेषज्ञों ने दी अहम जानकारियाँ

कार्यक्रम में मुंबई से आए मिथिलेश गांधी ने खाद्य तेलों के प्रयोग, गुणवत्ता परीक्षण और बार-बार गर्म किए जाने के खतरों पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि तेल की शुद्धता और सुरक्षित उपयोग सीधे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से जुड़ा है।

इंदौर से आए रामनाथ सूर्यवंशी ने ऑनलाइन फूड बिजनेस से जुड़े

व्यापारियों को प्रशिक्षण दिया और बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिक्री करते समय गुणवत्ता नियंत्रण और उपभोक्ता विश्वास सबसे अहम है।

नियमित होंगे प्रशिक्षण

व्यापारियों ने कार्यक्रम के दौरान यह मांग रखी कि इस तरह की कार्यशालाएँ नियमित रूप से आयोजित हों।

इस पर सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने आश्वासन दिया कि हर माह होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के सहयोग से फूड सेफ्टी विभाग प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करेगा। जिलाधिकारी ने भी इस पहल को आगे बढ़ाने और नियमित कार्यक्रम कराने के निर्देश दिए ताकि खाद्य सुरक्षा से जुड़ी जानकारी लगातार साझा होती रहे।

घाटमपुर एसडीएम ने गांव में चौपाल लगाकर की जनसुनवाई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। ग्राम कचहरी..प्रशासन आपके द्वार के तहत घाटमपुर में कई विवादों का निपटारा गया है। घाटमपुर एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह ने बताया कि डीएम के निर्देश पर शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जा रहा है। गांव अमौली में भूमि विवाद और बंटवारा को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था।

एसडीएम ने बताया कि भूमि विवाद में सभी पक्षों को बुलवाया गया। यहां तीन लेखपालों के साथ राजस्व टीम ने पक्षों को पंचायत भवन अमौली पर चौपाल में बुलाकर सबको सुना। सहमति के आधार पर निर्णय करते हुए भूमि विवाद का समाधान कराया।।

एसडीएम ने बताया कि यह भूमि विवाद बँटवारे से सम्बंधित था जिसमें सभी पक्ष कोर्ट में हाज़िर नहीं होते थे। जिसके कारण निस्तारण नहीं हो पा रहा था। इसके अतिरिक्त अन्य जटिलताएँ भी थीं जिन्हें चौपाल लगाकर पक्षों को सुनकर सुलझाया गया। चौपाल में लेखपाल शीलेश भारती, आदेश यादव, क्षेत्रीय लेखपाल व ग्राम प्रधान तथा अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

तलाशें जानलेवा आक्रामकता के कारक

गुरुवार को हरियाणा से आई दो निर्मम हत्याओं की घटनाओं ने हर किसी संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। गुरुपूर्णिमा के दिन दो शिष्यों ने नारनौंद में एक गुरु को चाकुओं से गोद दिया। वहीं गुरुग्राम में किसी बात पर आगबबूला पिता ने नाजों से पाली बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी। यूं तो ये घटनाएं करोड़ों लोगों में उंगली पर गिनी जानी वाली हैं, लेकिन इन घटनाओं में रिश्तों और आत्मीय अहसासों का कत्ल हुआ, इसलिये हर कोई विचलित हुआ। इन हृदयविदारक घटनाओं ने हर किसी को उद्वेलित किया कि आखिर हम कैसा समाज रच रहे हैं? क्यों हम जरा-जरा सी बात पर अपनों व समाज में अब तक आदरणीय स्थान रखने वाले के खिलाफ ऐसी क्रूरता दिखाने लगे हैं। यूं तो हर रोज समाचारों में ऐसी खबरें तैरती रहती हैं, जिसमें हम विश्वास व रिश्तों का कत्ल होते देखते हैं। राह चलते मामूली विवाद में हत्याएं हो जाती हैं। सड़क पर एक कार का दूसरी से स्पर्श हो जाए या पार्किंग विवाद हो, लोग जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। लेकिन हरियाणा की दोनों घटनाएं अलग किस्म की हैं। अक्सर हम नई पीढ़ी के आक्रामक व्यवहार की बात करते हैं लेकिन गुरुग्राम में तो पिता ने अपनी पुत्री की हत्या कर दी। कतिपय समाचारपत्रों में गुरुग्राम में राज्य स्तरीय टेनिस खिलाड़ी की हत्या की वजह उसके रील बनाने का जुनून बताया गया, तो दूसरे पत्रों में बेटी द्वारा टेनिस अकादमी खोलने से पिता का नाराज होना। लेकिन ठंडे दिमाग से सोचें तो ये कोई ऐसी वजह नजर नहीं है कि पिता अपने ही जिगर के टुकड़े को गोली मार दे। जाहिर है विवाद व टकराव की लंबी पृष्ठभूमि होगी। नए दौर के बच्चे अति आत्मविश्वास से भरे हैं। उनमें उत्साह है, उमंग है तो बहुत कुछ करने का जज्बा भी है। उनके सपने बड़े हैं तो सोचने-समझने के तौर-तरीके भी जुदा हैं।

वहीं पुरानी पीढ़ी के संघर्ष से व सीमित संसाधनों में पले-पढ़े लोग नई व अपने से पहले की पीढ़ी के बीच तेजी से बदलते परिवेश से सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं। निश्चित रूप से विकास की तीव्र गति के बीच हमारे जीवन में बहुत कुछ तेजी से बदला है। पुरानी पीढ़ी इस संक्रमणकाल से सामंजस्य स्थापित करने में सहज महसूस नहीं कर पा रही है। नई पीढ़ी की स्वच्छंदता और अपने बड़े फैसले खुद लेने की प्रवृत्ति पुरानी पीढ़ी को रास नहीं आ रही है। जिसका प्रतिकार वे हिंसक तरीके से करने लगे हैं। वहीं नारनौंद की घटना हमें आक्रामक होते किशोरों की हकीकत पर विचार करने को बाध्य करती है। दो छात्रों ने प्रिंसिपल की हत्या किस वजह से की, उसकी हकीकत की असली तस्वीर जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन बात कोई भी हो किसी छात्र द्वारा गुरु की हत्या करने की वजह नहीं हो सकती। कहा जा रहा है कि प्रिंसिपल सख्त और बेहद अनुशासनप्रिय थे। लेकिन ये वजह किसी शिक्षक की हत्या को तार्किकता नहीं दे सकती। हत्या छात्र की हो या शिक्षक की, दोनों ही घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। एक दौर था कि अभिभावक खुद ही शिक्षक से कहा करते थे कि उनके पाल्य को कड़े अनुशासन में शिक्षा दीजिए। तब शिक्षक भी सख्ती करने से पीछे नहीं हटते थे। पढ़ाई ठीक से न करने और अनुशासन तोड़ने पर छात्रों की पिटाई आम बात हुआ करती थी। इस पर अभिभावक भी कोई बड़ी प्रतिक्रिया नहीं देते थे। लेकिन लगता है कि नई पीढ़ी के विद्यार्थी किसी भी सख्ती को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, हमारे समाज में जिस आक्रामकता का विस्तार हुआ है, वह अब नई पीढ़ी के बच्चों में नजर आने लगी है।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी चिंताएं

सोमेश गोयल

देश में सरकार द्वारा कोई नागरिकता दस्तावेज जारी नहीं किया जाता, ऐसे में क्या चुनाव आयोग को ऐसे प्रावधानों का पालन करना चाहिए जिससे नागरिकों को मतदान अधिकार से वंचित करने का खतरा खड़ा हो जाए या उसे पुरानी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। बिहार में विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में से वोटर्स का नाम हटने की आशंका का निवारण चुनाव आयोग द्वारा किया जाना बेहतर था।

जरूरी नहीं जो कानूनी तौर पर हो, वह हमेशा उचित हो। मतदाता सूचियों का 'शोधन' एक सराहनीय उद्देश्य, एक जायज मांग और कठिन जिम्मेदारी है।

भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुकुमार सेन ने मतदाता सूची (ईआर) की गुणवत्ता पर अपनी पूरी तसल्ली होने बाद ही 1951 में प्रथम चुनाव करवाने से पहले, 18 महीने तक काफी दबाव झेला था। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी, जब इस साल की शुरुआत में, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और विसंगतियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए 90 दिनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन देश को दिया था। लेकिन इस दिशा में उठाए गए एक कदम ने चुनाव आयोग को विवाद के घेरे में ला दिया, जो कि पिछले कुछ समय से इस संस्थान को घेरने वाले कई विवादों में एक है। हालांकि इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है।समय-समय पर चुनाव करवाने वाले काम के विपरीत, मतदाता सूची तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 (2) और मतदाता पंजीकरण नियमों के नियम 25 के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले संशोधन किया जाना शामिल है। इस हिसाब से, 2024 में हुए लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रव्यापी संशोधन कार्य किया जाना बनता था।इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से, इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि 'मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें', 'कोई अयोग्य मतदाता न हो' और 'सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता हो।' इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था।इस आदेश में 2003 के बाद जुड़े मतदाताओं को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए, आयोग द्वारा तय दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने दावों को सिद्ध करना अनिवार्य था। भले ही मतदाता के रूप में उनका नाम शामिल करते वक्त, 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23 के अनुरूप मतदाता संशोधन अधिकारी उनकी पात्रता की शर्तों की सत्यापना, अपनी तसल्ली होने तक, पहले ही कर चुका हो।' तर्क दिया गया, यह कार्य ईसीआईएनईटी पर शोधित सूची को प्रकाशित करने योग्य बनाएगा।यह घोषणा करने का वक्त और इसे अचानक किए जाने से हो-हल्ला मच गया, खासकर इसलिए कि यह प्रक्रिया उन अन्य राज्यों में नहीं करवाई गई जहां 'शुद्धीकरण' किया जाना इतना ही महत्वपूर्ण था और चुनाव भी तुरंत नहीं होने वाले थे। संदेह की वजह यह समझने में मुश्किल होना रही कि चुनाव आयोग किस चीज़ को आधार बनाकर 2003 तक पंजीकृत हुए लोगों की साक्ष्य-साख का अधिक मोल डाल रहा है। जबकि चुनाव आयोग खुद कहता है कि प्रवासन, मृत्यु, रोजगार आदि की संभावना दोनों श्रेणी के मतदाताओं पर लागू होती है। तो समझना मुश्किल है कि 2003 से पहले वाली और बाद वाली में अपनाई प्रक्रिया के बीच फर्क क्यों रखा जा रहा है? खासकर जब संक्षिप्त संशोधन या विशेष गहन संशोधन या चालू पंजीकरण के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक जैसी है।

सेहतमंद फसल पर मुनाफे का ज़हरीला असर

पैराक्वाट की चपेट में मूंग

पंकज चतुर्वेदी

डॉक्टरों के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड के इस्तेमाल से उगाई गई मूंग के सेवन से कैंसर, लंग्स, किडनी, लिवर फेल्योर, पार्किंसंस रोग का खतरा रहता है। सबसे बड़ा जोखिम यह है कि मूंग के दानों में पैराक्वाट के अवशेष रह जाते हैं।

डॉक्टर अक्सर मरीजों को मूंग दाल खाने की सलाह देते हैं, लेकिन अधिक मुनाफे के लोभ में अब जो मूंग बाजार में आ रही है वह सामान्य बीमार व्यक्ति को गंभीर रोग का शिकार बना सकती है। चूंकि मध्य प्रदेश में देश में मूंग की फसल का 35 प्रतिशत उत्पादन होता है। शुरुआत में राज्य सरकार ने मूंग की सरकारी खरीदी पर हिचकिचाहट दिखाई थी तो सियासत भी गर्मा गई थी। सरकार भी अपनी जगह ठीक ही थी।

यह बात तंत्र समझ गया था कि अधिक फसल और इसे जल्दी पकाने के लिए किसान जिस रसायन का इस्तेमाल कर रहे हैं, असल में वह ज़हर है। यदि मध्य प्रदेश के किसान यह अनुचित तरीका अपना रहे हैं तो देश के अन्य राज्यों में भी यही हो रहा होगा। विदित हो म.प्र. में इस वर्ष मूंग का सरकारी खरीदी मूल्य 8558 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह दाम बीते चार साल में 1362 रुपये बढ़े हैं। बढ़ते दाम, तीसरी फसल की लालसा और कम रकबे में अधिक उत्पाद के चलते किसान का मूंग की तरफ आकर्षण भी बढ़ा और लालच भी। म.प्र. के कृषि विभाग ने राज्य शासन को बताया कि किसान मूंग की फसल में खरपतवार नाशक दवा पैराक्वाट डाइक्लोराइड, जिसे स्थानीय रूप से 'सफाया' भी कहा जाता है, का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। कई देशों में यह प्रतिबंधित है, लेकिन यहां किसान इसका उपयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं। किसान जानते हैं कि मूंग की फसल खेतों में एक साथ नहीं पकती। कुछ पौधे जल्दी तो कुछ देर से पकते हैं। ऐसे में मजदूरों से तुड़ाई में समय, खर्च ज्यादा लगता है। फसल को एकसाथ सुखाने के लिए पैराक्वाट तत्काल असर करती है। इससे एक दिन में पूरी फसल सूख जाती है, फिर हार्वेस्टर से कटाई हो जाती है। यही नहीं, इसके इस्तेमाल से कच्ची मूंग के दाने भी चमकीले हरे दिखते हैं। इस तरह इनका वजन अधिक लगता है और इससे दाम अधिक मिल जाते हैं। दरअसल किसान रबी और खरीफ की फसल के बीच तीन महीनों में मूंग की फसल तैयार करने के लिए यह ज़हरीला जतन कर रहे हैं।भारत में कोई तीस लाख मीट्रिक टन मूंग का उत्पादन होता है और यह समूचे देश में बीमारों के लिए पथ्य भोजन मानी जाती हैं। मूंग में मौजूद स्टार्च और प्रोटीन छोटे अणुओं में टूटकर जल्दी पच जाते हैं। इसमें कम मात्रा में रेजिन होता है, जो पेट में गैस नहीं बनाता। 100 ग्राम मूंग में लगभग 105 कैलोरी और बहुत कम वसा होता है। आयुर्वेद के अनुसार मूंग दाल त्रिदोष नाशक मानी जाती है— यानी यह वात, पित्त और कफ को संतुलित करती है। बीमारियों में इसका सेवन शरीर को संतुलन में लाता है। मूंग में फ्लावोनॉयड्स, कैंपफेरॉल, विटामिन-सी और फेनोलिक यौगिक होते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोध क्षमता को मज़बूत करते हैं।

डॉक्टरों के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड के इस्तेमाल से उगाई गई मूंग के सेवन से कैंसर, लंग्स, किडनी, लिवर फेल्योर, पार्किंसंस रोग का खतरा रहता है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि मूंग के दानों में पैराक्वाट के अवशेष रह जाते हैं। जब इन दानों का सेवन किया जाता है, तो ये सीधे मानव शरीर में पहुंचते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी 2024 में प्रकाशित शोध के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड की रासायनिक संरचना एमपीपी प्लस नामक एक जहरीले पदार्थ से मिलती-जुलती है, जो कि एमपीटीपी नामक रसायन से बनता है। यह वही रसायन है, जिससे 1983 में मनुष्यों में पार्किंसंस जैसा रोग पैदा हुआ था। यह हाइली टॉक्सिक हर्बीसाइड है। थोड़ा-सा

प्रेरणा स्रोत

खुली आंखों से देखे सपने कर दिखाए पूरे

बिल्हौर के देवांश सितारों की दुनियां में 'स्टार' बनकर चमके

कानपुर से संवाददाता
रिज़वान कुरैशी

- लव इन वियतनाम फिल्म में निभाई एसोसिएट प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी
- कल 12 सितम्बर को भारत सहित कई देशों के सिनेमा घरों में हो रही रिलीज
- बिल्हौर के प्रभा सनराइज स्कूल से हासिल की प्राथमिक शिक्षा
- वर्ष 2018 में मुंबई के एक कॉलेज से शुरू की फिल्मी दुनियां की पढ़ाई
- केबीसी मंच से अमिताभ बच्चन पढ़ चुके हैं उनकी कुछ लाइनें
- देवांश बोले घरवाले हों साथ तो कुछ भी मुश्किल नहीं

बिल्हौर (कानपुर)। कहते हैं कि मुंबई हर किसी को अपनाती नहीं। यह शहर हज़ारों सपनों को जन्म देता है और उतने ही तोड़ भी देता है। लेकिन जो ठान ले वही इस मायानगरी की भीड़ में सितारे की तरह चमक उठता है। कानपुर के बिल्हौर की गलियों में खेलकूद कर बढ़ा हुआ देवांश भारद्वाज भी ऐसे ही जिद्दी सपनों वाला एक लड़का है। महज 26 साल की उम्र में उसने वो मुकाम पा लिया है,जहाँ पहुँचना हज़ारों का सपना होता है। फिल्म लव इन वियतनाम,जिसमें देवांश बतौर एसोसिएट प्रोड्यूसर जुड़े हैं,कल 12 सितंबर को भारत सहित कई अलग-अलग देशों में रिलीज़ हो रही है। और यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इतिहास है- पहली इंडो-वियतनामी फिल्म,जो दिसंबर में चीन के 10 हजार स्क्रीन्स पर भी दिखाई जाएगी।

देवांश ने 2018 में मुंबई एजुकेशनल ट्रस्ट से फिल्म की पढ़ाई शुरू की। दो साल तक पढ़ाई और साथ ही काम की शुरुआत की। पहले टीवी सीरियल्स और रियलिटी शोज़ में असिस्टेंट बने। वहीं, अंदर से लेखक हमेशा जागता रहा। कविताएँ और कहानियाँ लिखते रहे। विज्ञापन लिखे और उनकी लिखी कुछ पंक्तियाँ सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने केबीसी के मंच से पढ़ीं।

देवांश मानते हैं कि यह पल उनके लिए किसी बड़े अवॉर्ड से कम नहीं था। कॉलेज के दौरान बनाई गई उनकी शॉर्ट फिल्म ने दुनिया भर के कई फिल्म फेस्टिवल्स में पुरस्कार जीते। कोलकाता फिल्म फेस्टिवल में भी बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिल चुका है। छोटे प्रोजेक्ट्स से शुरुआत करते हुए म्यूजिक वीडियो और एडवरटाइजमेंट बनाए और धीरे-धीरे फिल्मों में प्रोडक्शन शुरू किया।

आज वे कई फिल्मों से जुड़े हैं और बतौर एसोसिएट प्रोड्यूसर अपनी पहचान बना चुके हैं। देवांश कहते हैं कि पिता जी और माँ के बिना यह सफ़र संभव नहीं था।

उन्होंने हर फैसले में मेरा साथ दिया। जब घरवाले आपके साथ हों, तो लगता है आपके पास किसी भी मुश्किल को पार करने की ताक़त है। उनके दादा स्व0 बालकृष्ण शर्मा, बिल्हौर में लेखपाल रहे। पिता अनिल कुमार शर्मा एलआईसी एजेंट हैं, जबकि माँ श्रीमती लता गृहणी हैं। बड़ी बहन अंशिका पारले में नौकरी करती हैं और भाई ब्रह्मांश दिल्ली में वकालत कर रहे हैं। परिवार का यह साथ ही देवांश की सबसे बड़ी ताक़त बना।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव से खास मुलाक़ात के दौरान देवांश और अभिनेता अरबाज खान

लव इन वियतनाम फिल्म का जारी हुआ पोस्टर

लेखक की मुद्रा में देवांश

देवांश कैमरा संभालते हुए

बिल्हौर का प्रभा सनराइज स्कूल जहां देवांश ने पाई बुनियादी शिक्षा

लेखनी और जुनून ने आगे बढ़ाया

देवांश का झुकाव शुरू में पत्रकारिता की ओर था। उन्होंने कई जगहों पर आर्टिकल लिखे, अलग-अलग संस्थाओं के लिए घोस्ट राइटिंग भी की। मीडिया जगत से ऑफ़र भी आए, लेकिन उनका दिल फिल्मों में ही बसता था। उन्होंने मुंबई को चुना क्योंकि सपना स्पष्ट था-फिल्में बनानी हैं,अच्छा लिखना है, और लोगों के दिल को छूने वाली कहानियाँ देनी हैं।

लव इन वियतनाम—एक ऐतिहासिक कदम

देवांश ने बताया कि लव इन वियतनाम फ़िल्म एक म्यूजिकल लव स्टोरी है,जो मशहूर किताब(Madonna in a Fur Coat)पर आधारित है। इसके गाने पहले ही लोकप्रिय हो चुके हैं। लंबे समय बाद बॉलीवुड ऐसी आइकोनिक लव स्टोरी लेकर आ रहा है, जो न सिर्फ दर्शकों को कहानी सुनाएगी बल्कि प्यार को महसूस भी कराएगी। देवांश कहते हैं- ये फिल्म सिर्फ एंटरटेनमेंट नहीं, बल्कि एक एहसास है। लोग इसे देखेंगे तो उन्हें प्यार फील होगा।

भारत में रिलीज़ होने से पहले ही यह फिल्म इतिहास रच चुकी है और अब दुनिया भर में रिलीज़ होकर नई इबारत लिखने जा रही है।

छोटे से कस्बे से सफर शुरू कर पहुंचे मुंबई

देवांश की शुरुआती पढ़ाई बिल्हौर के प्रभा सनराइज स्कूल में हुई। फिर कानपुर के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई की। डीपीएस कल्याणपुर से 12 वीं पूरी करने के बाद मुंबई का सफ़र शुरू हुआ। अब उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें इंटरनेशनल मंच पर पहुँचा दिया है। आज देवांश की यह उपलब्धि न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे बिल्हौर और कानपुर के लिए गौरव की बात है। छोटे कस्बे से उठकर मायानगरी मुंबई तक जाना और फिर दुनिया के सबसे बड़े फिल्म बाज़ार तक पहुँचना, यह हर उस युवा के लिए प्रेरणा है जो सपनों को पाने से डरता है।

कानपुर में दर्दनाक हादसा: बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत, स्कूल बस नहर में पलटी

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। रमईपुर-जहानाबाद मार्ग पर गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। बच्चों से भरी एक प्राइवेट स्कूल बस बाइक सवार को बचाने के प्रयास में बेकाबू होकर नहर के माइनर में पलट गई। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौके पर मौत हो गई, जबकि बस में सवार 12 से अधिक बच्चों को हल्की चोटें आईं। गनीमत रही कि सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

» बच्चों से भरी बस पलटने से मची अफरा-तफरी, ग्रामीणों ने बचाई 40 से अधिक जानें

» आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

जानकारी के अनुसार, साढ़ क्षेत्र से मिथलेश शिवमंगल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोपालपुर जा रही बस जैसे ही गोपालपुर गांव के पास पहुंची, सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार 59 वर्षीय सुरेश निगम और उनका 25 वर्षीय बेटा राजू निगम की मौत हो गई। दोनों पालपुर भीतरगांव के रहने वाले थे और पिता को इलाज के लिए कानपुर ले जा रहे थे।बस पलटते ही बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बच्चों को खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाला। सभी बच्चों को उपचार के लिए सीएचसी भीतरगांव भेजा गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। हादसा स्कूल से महज 500 मीटर की दूरी पर हुआ।

गुस्से में ग्रामीण, कार्रवाई की मांग

पिता-पुत्र की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर स्कूल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। उनका आरोप था कि लापरवाही और नियमों की अनदेखी के चलते यह घटना हुई। ग्रामीणों ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।सूचना मिलते ही साढ़ थाना प्रभारी अवनीश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात काबू में किए। बस को क्रेन से बाहर निकालने की तैयारी शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। बस चालक और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ हो रही है।इस हादसे ने स्कूल बसों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि निजी स्कूलों की बसें बिना फिटनेस जांच और नियमों के सड़क पर दौड़ती हैं, जिससे बच्चों की जान पर हमेशा खतरा मंडराता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि स्कूल प्रबंधन से जवाब तलब कर कठोर कदम उठाए जाएं।

गोल्डी समूह के प्रबंध निदेशक सुरेन्द्र गुप्ता सम्मानित

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।मर्चेंट चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं कानपुर होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में खाद्य सुरक्षा और उनके मानकों का अनुपालन तथा प्रवर्तन की चुनौतियां विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेन्द्र प्रताप सिंह, सह आयुक्त भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक एवं प्रवर्तन संजय प्रताप सिंह तथा मुख्य अतिथि एचबीटीयू कानपुर के कुलपति प्रोफेसर शमशेर ने खाद्य सुरक्षा मानकों के महत्व और उनके अनुपालन में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए।गोष्ठी में गोल्डी समूह के प्रबंध निदेशक सुरेन्द्र गुप्ता को जिलाधिकारी द्वारा भारतीय खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन में निरंतर उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करते हुए गुप्ता ने कहा कि गोल्डी समूह सदैव खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करता आया है।

यह प्रत्येक निर्माता की जिम्मेदारी है कि वह इन मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करे, ताकि समाज का हर वर्ग स्वस्थ और सुरक्षित जीवन जी सके।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान, गांव में छाया मातम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के लेवामऊ गांव में बुधवार शाम उस समय सनसनी फैल गई जब 36 वर्षीय श्यामू सविता पुत्र शिवगोपाल सविता ने संदिग्ध परिस्थितियों में अपनी किराए की दुकान में फांसी लगाकर जान दे दी। जैसे ही घटना की जानकारी परिजनों और ग्रामीणों को हुई, पूरे गांव में मातम पसर गया। घर में चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कालीचरन कुशवाहा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

» मूसानगर क्षेत्र के लेवामऊ गांव की घटना

» फोरेंसिक टीम जांच में जुटी, शव पोस्टमार्टम को भेजा

पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर ग्रामीणों से पूछताछ की। फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से अहम साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों का कहना है कि श्यामू सामान्य रूप से कामकाज कर रहा था। अचानक इस कदम से पूरा परिवार सदमे में है। घटना के बाद से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और ग्रामीण परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे। मूसानगर पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। यह देखा जा रहा है कि आत्महत्या के पीछे कोई व्यक्तिगत, आर्थिक या पारिवारिक कारण तो नहीं था।

फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच करती

नवागत एडीओ पंचायत आदित्य शुक्ला ने संभाला चार्ज

» अकबरपुर ब्लॉक में कर्मचारियों ने किया स्वागत

» और पारदर्शिता पर रहेगा विशेष फोकस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर विकास खंड में नवागत एडीओ पंचायत आदित्य शुक्ला ने कार्यभार ग्रहण किया।

इस मौके पर ग्राम सचिवों और ब्लॉक कर्मचारियों ने उनका पुष्पगुच्छ व माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में ग्राम सचिव मोहम्मद जावेद समेत बड़ी संख्या में कर्मचारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चार्ज संभालते ही आदित्य शुक्ला ने स्पष्ट किया कि गरीब व जरूरतमंद वर्ग तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी।

साथ ही विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए सभी कर्मचारियों व अधिकारियों का सहयोग लिया जाएगा।स्वागत समारोह के दौरान कर्मचारियों ने पंचायतों के विकास कार्यों को गति देने और प्रशासनिक समन्वय को और मजबूत करने की मांग रखी। आदित्य शुक्ला ने भरोसा दिलाया कि वे सभी के साथ समन्वयपूर्वक कार्य करेंगे और ग्राम पंचायतों को विकास की नई दिशा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

रनियां पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

» 18 पेटी नाजायज शराब बरामद

» आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे के निर्देशन में अपराध नियंत्रण और अवैध शराब तस्करी पर शिकंजा कसने के लिए रनियां पुलिस और आबकारी टीम ने संयुक्त छापेमारी की। इस दौरान एक चारपहिया वाहन से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई।बुधवार शाम करीब 6:20 बजे उमरन मोड़ हाईवे पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने अंकित गुप्ता निवासी उमरन, थाना रनियां को 18 पेटी (कुल 202.5 लीटर) नाजायज शराब के साथ दबोच लिया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत लगभग 81 हजार रुपये बताई जा रही है।

प्रभारी निरीक्षक शिवनारायन सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सोनालिका गोष्ठी में किसानों का उत्साह

» जोनल हेड सुखदेव सिंह का जोरदार स्वागत

» आधुनिक तकनीक से खेती में बढ़ेगी पैदावार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात,माती। सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने कम लागत में अधिक पैदावार पाने के आधुनिक तरीके किसानों को बताए। कार्यक्रम का आयोजन अमर विला होटल, बारा जोड़ पर हुआ, जहां करीब 400 किसानों ने हिस्सा लिया।

गोष्ठी में सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी के जोनल हेड सुखदेव सिंह और एरिया मैनेजर अनुराग दुबे विशेष रूप से मौजूद रहे। किसानों ने सुखदेव सिंह का जोरदार स्वागत किया और उन्हें उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

गोष्ठी में वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि किस तरह आधुनिक ट्रैक्टर और यंत्रों से खेतों की जुताई व बुवाई अधिक सरल और लागत प्रभावी हो सकती है। वहीं, सुखदेव सिंह ने कहा कि सोनालिका एजेंसी का लक्ष्य किसानों तक बेहतर तकनीक पहुँचाकर उनकी पैदावार बढ़ाना है।

उन्होंने बताया कि कानपुर देहात में सोनालिका ट्रैक्टर किसानों की पहली पसंद है।

इस मौके पर किसानों को सम्मानित किया गया और उपहार भी वितरित किए गए। किसानों ने रामेंद्र प्रताप सिंह उर्फ चिम्मू को भी बधाई दी, जिन्हें मकाऊ (हांगकांग) में आयोजित इंटरनेशनल ट्रैक्टर ऑल इंडिया चैनल पार्टनर मीटिंग में सम्मानित किया गया था। आयोजन में कई अधिकारी, ग्राम प्रधान और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

डीएम एक्शन में: प्रधान के अधिकार सीज, सचिव निलंबित

» ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला

आठ लाख से अधिक भुगतान में गड़बड़ी उजागर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर विकास खंड की रसधान ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला उजागर हुआ है। इंटरलॉकिंग कार्यों में गड़बड़ी और आठ लाख रुपये से अधिक के भुगतान में अनियमितता पाए जाने पर जिलाधिकारी कपिल सिंह ने कड़ा कदम उठाया है। डीएम ने ग्राम प्रधान के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार तत्काल प्रभाव से सीज कर दिए हैं, वहीं तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

ग्राम पंचायत रसधान निवासी संतोष कुमार कटियार, भगवानदीन और रीतेश सहित कई ग्रामीणों ने एक जुलाई 2024 को प्रधान के खिलाफ दस बिंदुओं पर शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के आधार पर डीपीआरओ विकास पटेल ने जांच कराई। जांच में पाया गया कि गांव में बनी तीन इंटरलॉकिंग सड़कें मानक के अनुरूप नहीं हैं।

न ही उनके कार्यों की माप पुस्तिका उपलब्ध कराई गई। इसके बावजूद 24 फरवरी 2025 को 8,62,653 रुपये का भुगतान कर दिया गया।

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी स्पष्ट मिलने के बाद जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान के

अधिकार सीज कर दिए। साथ ही तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी अनुराग त्रिवेदी को निलंबित करने की संस्तुति करते हुए जिला विकास अधिकारी को

पत्र भेजा गया है। मामले की विस्तृत विभागीय जांच का जिम्मा जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता को सौंपा गया है।

मानिकपुर रेलवे अंडरपास हुआ जानलेवा !

रेलवे-प्रशासन की लापरवाही से यात्रियों की जान पर संकट

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चित्रकूट। मानिकपुर मुख्य मार्ग पर रेहुंटिया के पास रेलवे लाइन के नीचे बना अंडरब्रिज इन दिनों यात्रियों के लिए मौत का जाल बन चुका है। अंडरब्रिज के बीच बने गहरे गड्ढे में बारिश का पानी भरने से हालात दलदल जैसे हो गए हैं। छोटे वाहन आए दिन इसमें फंस जाते हैं और कई बार हादसे भी हो चुके हैं। स्थानीय लोग इस खतरनाक गड्ढे को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठे हैं।

पाठा क्षेत्र को जोड़ने वाला यह मुख्य मार्ग हमेशा व्यस्त रहता है। मानिकपुर तहसील मुख्यालय से जुड़े होने के कारण प्रशासनिक अधिकारी भी इसी रास्ते से गुजरते हैं, फिर भी अंडरब्रिज की मरम्मत को लेकर अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया।

हालात यह हैं कि बड़े वाहन किसी तरह निकल जाते हैं, लेकिन छोटे वाहन गड्ढे में धंसकर पलट जाते हैं। तीन दिन पूर्व एक ई-रिक्शा पलटने से महिला का हाथ टूट गया था, वहीं कई बाइक सवार भी घायल हो चुके हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरब्रिज की मरम्मत की जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की है, मगर पिछले दो वर्षों से न तो कोई मरम्मत कराई गई और न ही स्थायी समाधान निकाला गया। डामर पूरी तरह उखड़ चुका है और लगातार वाहनों की आवाजाही से गड्ढा और गहरा होता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस पर कार्यवाही नहीं हुई तो यह गड्ढा कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

रेलवे और जिला प्रशासन की लापरवाही ने इस अंडरब्रिज को मानो मौत का कुंड बना दिया है, जिससे आम जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

सड़कें खोद कर छोड़ रहे जल जीवन मिशन के ठेकेदार

» ग्रामीण परेशान, आवागमन मुश्किल,अफसर कर रहे हैं लापरवाही

जल जीवन मिशन का भ्रष्टाचार देखिए

लगभग हर गांव की सीसी सड़कें खोदी जा चुकी हैं। समस्या यह है कि बाद में भराई और मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति कर दी जाती है। बरसात में यह सच्चाई सामने आ गई और गड्ढों से सड़कें बदहाल हो गईं।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नरैनी/बांदा। जल जीवन मिशन के कामकाज से गांवों की सड़कें बर्बाद हो रही हैं। विभागीय ठेकेदारों द्वारा सीसी सड़कों को तोड़कर पाइप लाइन डालने के बाद मरम्मत सही ढंग से न होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।दो वर्षों से एल एंड टी कंपनी द्वारा क्षेत्र में पानी की पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है। इस दौरान जमवारा गांव के ग्राम प्रधान महफूज हुसैन ने बताया कि ठेकेदारों ने तोड़ी गई सड़कों पर मौरम डालकर अस्थायी इंतजाम किया था, लेकिन सितंबर माह में फिर से सड़क तोड़ने की तैयारी चल रही है। उनका आरोप है कि क्षेत्रीय इंजीनियर शुभम राय से ग्रामीण व जनप्रतिनिधि कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन वह फोन तक रिसीव नहीं करते।गांववासियों का कहना है कि टूटी-फूटी सड़कों से आवाजाही में दिक्कत हो रही है, वहीं बारिश में हालात और बदतर हो जाते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पाइप लाइन का काम सुव्यवस्थित तरीके से किया जाए और सड़कों को पहले जैसी स्थिति में दुरुस्त कराया जाए।

प्रतापगढ़: घरेलू कलह से व्यथित समाज कल्याण अधिकारी ने की आत्महत्या

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रतापगढ़। जिले के पूरे केशवराय गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। घरेलू कलह से आहत होकर जिला समाज कल्याण अधिकारी आशीष कुमार सिंह (40 वर्ष) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आशीष कुमार सिंह वर्तमान में आजमगढ़ जिले में जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर तैनात थे। वह छुट्टी पर अपने पैतृक आवास, पूरे केशवराय, स्थित घर आए हुए थे। परिजनों के मुताबिक सुबह वह आजमगढ़ के लिए निकलने की तैयारी कर रहे थे, तभी मायके में रह रही पत्नी से फोन पर बातचीत हुई। बातचीत के तुरंत बाद वह कमरे में चले गए।कुछ देर बाद जब घरवालों ने उन्हें देखा तो वह फांसी के फंदे से झूलते मिले। सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

आशीष कुमार सिंह, पूरे केशवराय गांव के पूर्व प्रधान शिवजीत सिंह के भतीजे बताए जाते हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।।

नेपाल की आगजनी में फंसे कई भारतीय

» अयोध्या के श्रद्धालुओं की सलामती पर टिकी परिजनों की सांसें

» हजारों किलोमीटर दूर पहाड़ों में बंद रास्ते, और अयोध्या में अश्रुपूर्ण आंखें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।नेपाल में सरकार विरोधी हिंसा और आगजनी ने सिर्फ वहां की सड़कों को नहीं, बल्कि अयोध्या की कई परिवारों की नींद भी छीन ली है। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकले अयोध्या के नौ श्रद्धालु नेपाल के हिलसा इलाके में फंस गए हैं। 1 सितंबर को आस्था और उत्साह से भरे कदम जब अयोध्या से कैलाश की ओर बढ़े थे, तब किसे पता था कि लौटते वक्त यही रास्ते उनके लिए मुसीबत बन जाएंगे। वापसी के दौरान नेपाल की हिंसा ने उनकी राह रोक दी। अब परिजन अयोध्या में बेचैन हैं हर कॉल, हर खबर पर उनकी धड़कनें तेज हो जाती हैं।

परिजनों का कहना है कि श्रद्धालु सुरक्षित हैं और लगातार संपर्क में भी हैं, लेकिन नेपाल की सड़कों पर भड़की हिंसा के बीच वे कब लौट पाएंगे, यह सवाल उनकी आंखों में नींद और चेहरे पर मुस्कान छीन रहा है।

गोसाईगंज विधायक अभय सिंह और पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ने सरकार से अपील की है कि तत्काल कदम उठाकर सभी श्रद्धालुओं को सकुशल वापस लाया जाए।

हिलसा में फंसे अयोध्या श्रद्धालु हैं

सुशील राजपाल, चमन सिंह, मदन जायसवाल, विकास गुप्ता, रमाकांत यादव, शैलेंद्र अग्रहरी, अनूप कुमार सिंह, प्रकाश श्रीवास्तव और हरि श्याम त्रिपाठी। अयोध्या में इन नौ नामों के घरों में प्रत्येक सांस प्रार्थना बन गई है।

बुजुर्ग मांएं आंखें मूंदकर राम नाम जप रही हैं,

बहनें भाई की तस्वीर देखकर रो पड़ रही हैं और बच्चों की मासूम जुबान पर बस एक सवाल है पापा कब लौटेंगे?

नेपाल की आगजनी से जूझते ये श्रद्धालु फिलहाल सुरक्षित हैं, लेकिन अयोध्या में उनके घरों में हर लम्हा भारी है।

फोटो में विकास, रैंकिंग में पराजय, यही है अयोध्या का सच !

Uttar Pradesh CM Dashboard
District Rank in State
Month & Year: August 2025
Ranking Category: District Flagship - Development

Sr. No.	District Name	Effective Max Marks	Effective Marks Obtained	Effective Marks (%)	Rank
30	Amethi	10.00	9.11	91.10	29
31	Hathras	10.00	9.11	91.10	29
32	Rampur	10.00	9.09	90.90	32
33	Hardoi	10.00	9.09	90.90	32
34	Aligarh	10.00	9.07	90.70	34
35	Bhadohi	10.00	9.06	90.60	35
36	Sultanpur	10.00	9.06	90.60	35
37	Sambhal	10.00	9.06	90.60	35
38	Mirzapur	10.00	9.05	90.50	38
39	Kanpur Dehat	10.00	9.04	90.40	39
40	Shravasti	10.00	9.04	90.40	39
41	Siddharth Nagar	10.00	9.04	90.40	39
42	Mathura	10.00	9.03	90.30	42
43	Etawah	10.00	9.03	90.30	42
44	Ayodhya	10.00	9.01	90.10	44
45	Unnao	10.00	9.00	90.00	45
46	Sitapur	10.00	8.99	89.90	46
47	Deoria	10.00	8.99	89.90	46
48	Moradabad	10.00	8.99	89.90	46
49	Prayagraj	10.00	8.96	89.60	49
50	Gorakhpur	10.00	8.96	89.60	49
51	Chitrakoot	10.00	8.96	89.60	49
52	Budaun	10.00	8.94	89.40	52
53	Ghazipur	10.00	8.94	89.40	52
54	Etah	10.00	8.94	89.40	52
55	Fatehpur	10.00	8.94	89.40	52
56	Barabanki	10.00	8.94	89.40	52
57	Sant Kabeer Nagar	10.00	8.90	89.00	57
58	Kushi Nagar	10.00	8.89	88.90	58

Powered by DARPAN© Dashboard Services of National Informatics Centre (NIC) Print at: 10/09/2025 3:11 pm

» विकास के नाम पर छल की सबसे बड़ी प्रयोगशाला बनी अयोध्या

विश्व नगरी का सच –विकास में 44वें पायदान पर अयोध्या

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।राम नगरी को विश्व नगरी बनाने के दावे आसमान छू रहे हैं। मुख्यमंत्री के साथ अयोध्या के जनप्रतिनिधियों की हर मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर ऐसे उड़ाई जाती हैं, मानो अगले ही दिन अयोध्या पेरिस बन जाएगी।

लेकिन सच्चाई इतनी कड़वी है कि विकास कार्यों की रैंकिंग में अयोध्या पूरे उत्तर प्रदेश में 44वें स्थान पर खिसक गई है।सोशल मीडिया पर गंभीर मंत्रणा हुई जैसे जुमले खूब बिकते हैं। मंत्री–महंत सब बताते हैं कि अयोध्या में विकास का पहाड़ टूट रहा है।लेकिन आंकड़े बताते हैं –

पड़ोसी अंबेडकरनगर टॉप–5 में है,

और अयोध्या 44वें पायदान पर!

तो सवाल उठता है क्या विकास का रथ राम नगरी में सिर्फ फोटो खिंचवाने तक ही सीमित है?गांव–गली में अब लोग तंज कसते हैं विकास फेसबुक पर है, धरातल पर नहीं। फोटो खिंचवाने में नंबर वन, काम कराने में 44वें स्थान पर।

विश्व नगरी नहीं, 'वर्चुअल नगरी' बन रही है अयोध्या। अब जब हर तरफ करोड़ों–अरबों की योजनाओं की घोषणाएं हो रही हैं, तब 44वें स्थान पर अटकना सिर्फ आंकड़ा नहीं है, बल्कि एक जनप्रतिनिधि अपराध है जनता के विश्वास के साथ।

फिजियोथैरेपिस्ट्स के नाम के आगे 'डॉ.' लिखने पर विवाद !

» DGHS ने 24 घंटे में पलटा अपना आदेश, देश भर के फिजियोथैरेपिस्ट नाराज़

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत के फिजियोथैरेपिस्ट्स को Dr उपसर्ग और PT प्रत्यय के इस्तेमाल का अधिकार है या नहीं—इस पर देशभर में बड़ी बहस छिड़ गई है। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (DGHS) ने 9 सितम्बर 2025 को एक आदेश जारी कर इन अधिकारों को सीमित करने की कोशिश की। लेकिन महज़ 24 घंटे बाद, 10 सितम्बर को, DGHS ने अपना ही आदेश वापस ले लिया और कहा कि मामले की आगे समीक्षा होगी।

यह विरोधाभासी रवैया न केवल फिजियोथैरेपिस्ट्स समुदाय को आहत

IAP CEC
THE INDIAN ASSOCIATION OF PHYSIOTHERAPISTS
World Physiotherapy MEMBER ORGANISATION
Registered Under Societies Act. XXI of 1860 No. 3376 of 1955-56

Dr. Sanjiv K Jha (P.T) President Office sanjivjha72@gmail.com 702b1 Shahnai Residency A B Road Indore 452010 Madhya Pradesh (India)
Dr. Suresh Babu Reddy (P.T) Vice President Office sureshphysio80@gmail.com Room No. 8A, Department of Physiotherapy ESIC Medical College and PGIMSR Rajajinagar, Bangalore-560010 Karnatka (Indai)
Dr K M Annamalai (P.T) General Secretary Office annamaliiap@gmail.com B-201, Kalyan Tower Vastrapur Lake Ahmedabad-380015 Gujrat (Inda)
Dr. Ruchi Varshney Treasurer Office 111, Pocket 1, Mayur Vihar Phase-1 Delhi 100091 iaptreasurer2020@gmail.com Ph.:011-40810586

Dr. Ali Irani (P.T) Chairperson-International Affairs draliirani@gmail.com HOD Physiotherapy Nanawati Hospital ville Parle Mumbai (India)
Dr. Ketan Bhatikar (P.T) Ex. Office ketanbhatikar@gmail.com Sparc Physiotherapy Clinic Near Ponda Court Ponda, Goa (India)
Dr. Kancham Anand (P.T) Joint Secretary (North Zone) kanchananand1572@gmail.com Fortis Escorts Heart Institute Okhla New Delhi - 110025 (India)
Dr. C K Senthilkumar (P.T) Joint Secretary (South Zone) drcksenthil@gmail.com Bethel Medical Mission Group Dean & Director) Vidhansoudha layout Preethi Nagar, Laggere Bangalore 560058, Karnataka (India)
Dr. Joji M. John (P.T) Joint Secretary (East Zone) jophysio001@gmail.com HOD Physiotherapy Department Yashoda Hospitals Nehru Nagar Ghaziabad-201001 U.P (India)
Dr. Nehal Shah (P.T) Joint Secretary (West Zone) nehalshah75@gmail.com 12, Shivalya Apartment, Vasundhara Colony Opp. Navkar Public School, Gulbai Tekra Ahmedabad-380015 Gujrat (India)
Dr. Vivek Jain (P.T) Joint Secretary (Central Zone) Vivekphysio2007@gmail.com C-13, Basant Vihar Near Total Hospital Vijay Nagar, Indore M.P. (India)
Dr. Mohammad Suhail (P.T) CEC (North Zone) physiosuhail28@yahoo.com Kanachur College of Physiotherapy University Road, Natekal Mangalore-575018 Karnatka (India)
Dr. Masarat Safi (P.T) CEC (North Zone) mmasarat.shafi@gmail.com Department of Physiotherapy Kidney Hospital, Room No 22 Sonwar, Srinagar-190001 Jammu & Kashmir (India)
Dr. A. Rajan Samuel (P.T) CEC (South Zone) Rajanmpt@yahoo.co.in Vinayaka Mission's College of Physiotherapy NH 47 Sankari Main Road Periyaseeragapadi Salem-636308 Tamil Nadu (India)
Dr. Anjani Kumar (P.T) CEC (South Zone) anjaniphysio@yahoo.co.in Chief Physiotherapy NH-47 Lotus Children Hospital Lakadi ka Pool Hyderabad-50004 Telangana State (India)
Dr. Rishi Raj (P.T) CEC (East Zone) rishi.raj07@gmail.com HOD Physiotherapy Procare Clinic 60 Hazare Road 1st Floor Kolkata-700019 West Bengal (India)

3IAPWCPM/Conf/2025 Date – 11th Sept, 2025

To

All Media Officials and Journalists

Subject: Request for Corrigendum Regarding DGHS Letter Dated 09.09.2025

Respected Sir/Madam,

I hope this message finds you well.

I am writing to inform you that the letter issued by the Directorate General of Health Services (DGHS) on 09.09.2025, concerning the use of the prefix "Dr" by Physiotherapists, has been officially withdrawn as of 10.09.2025.

The communication dated 09.09.2025 contained inaccuracies and is therefore deemed null and void. We kindly request that you publish a corrigendum to clarify this matter and correct any misinformation.

As per the National Commission for Allied and Healthcare Professions (NCAHP) guidelines, Physiotherapists are indeed entitled to use the prefix "Dr" before their names, with the suffix "P.T." (Physiotherapy) following their qualifications.

We trust that the news published on 09.09.2025 will be amended accordingly.

Thank you for your cooperation in ensuring that accurate information is shared with the public.

With regards,

Prof. Dr. Sanjiv K. Jha

President, The Indian Association of Physiotherapists

Dr. Dinesh Kumar Samujh (P.T.) CEC (East Zone) srsamujh@gmail.com 57, Govindpuram Ghaziabad-201013 Uttar Pradesh (India)
Dr. Reshma Khurana (PT) CEC (Central Zone) reshma.khurana@gmail.com 42-F Bakhtwar Ramnagar Indore Madhya Pradesh (India)
Dr. Uma Sen Gupta CEC (Central Zone) umasengupta1962@gmail.com 59, Circular Road Behind Hotel Apsara, Lalpur Ranchi-834001 Bihar(India)
Dr. Sudeep Kale CEC (West Zone) Sudeepkale@gmail.com tetherapy College 3rd Floor, Terna Medical College Campus Sector-12, Nerul (W) Navi Mumbai -400706 (India)
Dr. Achal Vashi (P.T) CEC (West Zone) achalvashi@gmail.com 39/30 Alaknanda Bunglows Inside Shivparvati Krupa Society Gandevi Road, Navsari-396445 Gujrat (India)

कर गया, बल्कि आम जनता के बीच भी गहरा भ्रम फैल गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि राष्ट्रीय सहयोगी एवं स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर आयोग (NCAHP) अधिनियम, 2021 में संसद और केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा फिजियोथैरेपिस्ट्स के अधिकार स्पष्ट रूप से सुरक्षित किए गए हैं। ऐसे में DGHS का आदेश न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि गंभीर प्रशासनिक चूक का उदाहरण भी है।

फिजियोथैरेपिस्ट्स का आक्रोश

देशभर के फिजियोथैरेपिस्ट्स का कहना है कि यह कदम उनके कठिन परिश्रम और पेशेवर पहचान का अपमान है। उनका मानना है कि इस तरह की फ्रमनमानी और अवैधानिक कार्रवाईफ्र से पेशे की गरिमा और जनता का भरोसा दोनों कमजोर होते हैं।

स्वराज इंडिया का मानना है कि जब इतनी उच्च स्तर की राष्ट्रीय संस्था संसद द्वारा पारित कानून की गलत व्याख्या करती है, तो यह न केवल जनता के विश्वास को तोड़ता है, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। फिजियोथैरेपिस्ट्स भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी गरिमा से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं होगा।वहीं फिजियोथैरेपी समुदाय और उससे जुड़े संगठनों ने कड़े शब्दों में अपनी माँगें रखी हैं।

आंदोलन का चेहरा बने सुदन गुरुंग

» मीडिया के सामने भावुक हुए, प्रेस वार्ता के बीच हंगामा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

काठमांडू। नेपाल में जेन-जी आंदोलन के बीच आज युवाओं के प्रतिनिधि के रूप में सुदन गुरुंग और अन्य नेता मीडिया के सामने आए। काठमांडू में जेन-जी नेताओं की प्रेस वार्ता के दौरान अफरा-तफरी जैसा माहौल दिखा। मीडिया को संबोधित करने से पहले इस आंदोलन का चेहरा बन चुके सुदन भावुक हो गए और उनके आंसू छलक पड़े। प्रेस वार्ता में और क्या हुआ? किस नेता ने क्या बयान दिया?

नेपाल का जेन-जी आंदोलन लगातार सुर्खियों में है। अब तक 25 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोग घायल भी हुए हैं। युवाओं के गुस्से का ये आलम है कि आक्रोशित भीड़ ने राष्ट्रपति निवास, प्रधानमंत्री आवास, देश की संसद और सुप्रीम कोर्ट जैसे भवनों को आग के हवाले कर दिया। आंदोलन के दौरान अपनी आवाज बुलंद कर रहे नेताओं ने आज प्रेस वार्ता की। इसमें युवाओं के आंदोलन का चेहरा बनकर उभरे सुदन गुरुंग अचानक भावुक हो गए। प्रेस वार्ता में शामिल एक अन्य जेन-जी नेता दिवाकर दंगल ने कहा, हम यह आंदोलन भ्रष्टाचार के खिलाफ कर रहे हैं क्योंकि देश में बेकाबू हो गया है।

अब महिला के हाथों में हो नेपाल की कमान

प्रेस वार्ता में शामिल एक अन्य युवा नेता जुनल गदल ने कहा, हमें देश की संरक्षक के रूप में नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप

में चुनना चाहिए।

ऑनलाइन सर्वेक्षण में सुशीला कार्की जेन-जी की पसंद

रिपोर्ट्स क्लब नेपाल में आयोजित इसी प्रेस वार्ता के दौरान एक अन्य आंदोलनकारी और युवा नेता अनिल बनिया ने कहा, हमने यह आंदोलन बुजुर्ग नेताओं से तंग आकर किया। हमने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया, लेकिन राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने आगजनी की और फिर बुनियादी ढांचों में तोड़फोड़ की गई। ऑनलाइन सर्वेक्षणों के जरिए जेन-जी नेताओं ने सुशीला कार्की को वोट दिया। हम संविधान बदलने की कोशिश नहीं कर रहे, बल्कि उसमें जरूरी बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं। छह महीने के अंदर हम चुनाव लड़ेंगे।

नेतृत्व संभालने के लिए हमें परिपक्व होने में समय लगेगा

एक अन्य युवा नेता दिवाकर दंगल ने कहा, हम नेतृत्व संभालने में सक्षम नहीं हैं। नेतृत्व संभालने के लिए हमें परिपक्व होने में समय लगेगा। हमें तोड़ने की कोशिश की जा रही है। पार्टी के कुछ सदस्यों को गलतफहमी है कि वे घुसपैठ करके फूट डाल सकते हैं।